अधीन अफ्रीकी देशों को भयावह शोषण और उत्पीड़न [illegible] के [illegible]
बेल्जियम के शासक लियोपोल्ड II ने 1876 ई. ब्रुसेल्स में सम्मेलन का आयोजन किया और अंतर्राष्ट्रीय संस्था की स्थापना की [illegible] में यूरोपीय देशों के मध्य आपसी विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान [illegible] सके।

- जर्मनी ने कांगो की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटान के लिए सम्मेलन [illegible] मांग की। यह नवंबर 1884 ई. से फरवरी 1885 ई. तक चला। इसमें [illegible] घाटी में सभी यूरोपीय राज्यों को व्यापार और नौपरिवहन की स्वतंत्रता [illegible] के अनुसार ~~सम्मेलन~~ सन्चालन के लिए एक आयोग की स्थापना हुई।
- बर्लिन सम्मेलन में अफ्रीका के शैक्षणिक व भौतिक विकास को ध्येय बनाया गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने अफ्रीका को आपस में बाँट [illegible] तनाव के कई अवसर पैदा हुए लेकिन कोई बड़ा टकराव नहीं हुआ।

विभिन्न यूरोपीय देशों के अफ्रीकी उपनिवेश

फ्रांस ⇒ अल्जीरिया, मोरक्को, ट्यूनिस, आइवरी कोस्ट आदि
इंग्लैंड ⇒ मिस्र, सूडान, दक्षिण अफ्रीका, रोडेशिया केन्या, नाइजीरिया
जर्मनी ⇒ ~~कैमरून, टोगोलैंड~~, युगांडा, गोल्ड कोस्ट
कैमरून, टोगोलैंड
पुर्तगाल ⇒ अंगोला, पूर्वी मोजाम्बिक